

,क्ष्म्

, फ़्राइम

34 सीचव, अतर सिंह,

उत्तराचल शासन ।

भुवा मु

१ म्ट्राप्टर मुख्य चिकत्साधिकारी,

4-गाथ्हर ।फ्रकीनी

विषयः राजकीय एलीपेथिक चिकित्सालय खबक, जनपद देहरादून के भवन निर्माण कार्य को पूर्ण देहरादून: दिनांक : २५ माच, २००६

। त्रीकृष्टि का प्रीग्राध धार्याष्ट्रा क रिलोकृति ।

संस्था कि (हाम निहं हुन सही काछ ने सही काछ में कि (हाम निहं हुन सहिष् राजकीय एलोपेथिक चिकित्सालय खबऊ, जनपद देहरादून के अवशेष भवन निर्माण को पूर्ण करने हेतु प्रश्रीहम जागष्णार हिश की है ।एड्रि १९६मी । तक निक क्र हिम मिस के 2002.E0.10 कांम्स्री 4002\102 -\$005-82\20\101-0if एर्ड| विकास वित ७५५५त विषयक महानिदेशक विकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण क पन सं०-१५/५

। गिन्हेर कार्य की अनुमीदित लागत तक ही रखा जाएगा । स्वीकृति संबधी मूल शासनादेश की सभी शर्ते यथावत पर हिना जाया सक्षा भार प्राप्त धिकृष्टिन प्रथम सक्ष्म सक्ष्म सक्ष्म काल कार्या भारत कर हिना वाह्या प्रकार । ई क्रिक कि नात्रर त्रीकृष्टि

अनाधिकृत व्यय नहीं किया जायेगा । गिरिया का सुरी सक्षम स्वर का अनुमीदन अवश्य प्राप्त कर शिया जाये ।स्वीकृत धनराश्चि का उपयोग फ्रीक । गिफील झेएक प्रवाशम कि माम्नी गिमिनी हंग्र माकवी मधाभ्रम लिपपे लागा कर्या क्रिक्स 2- उक्त धनराशि कोषार से तकाल आहरित को जायेगी तथा तत्पश्चात् निर्माण ईकाई परियोजना

। गिर्फार इ। उत्त स्वीकृत धनाशिक के आहरण में संबंधित बाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध

। गिर्मा जायगा। शासन द्वारा मितव्ययता के सबध में समय-समय पर निगेत आदेशी के अनुसार किया जाना सीनीएचत् क लिस्ट्रिन उत्प्रक क्रें निधिवीए तिथिलिस में तिलिस एस प्रिप्त प्रमुख प्रक्रिक्त निक्र कि एस हो। - प्रमुख्य के स्वाधिक स

कि नमाष्ट कि छि। ८० कि ज्ञाम कर्रिय एकास्ट तीगर किति क्ये एक्तिवी कि ।शारमध क्रिकि - ७ 5-धनराशि उन्हों योजनाओं \ मदों में व्यय को जाय जिसके लिये स्वीकृति को जा रही है।

उत्तरिव्हा करीती वादिगी ।

7- उक्त आय-व्ययक 2005-06 में अनुदान सं0-12 लेखाशीर्षक 4210- चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पूर्य मृंजीगत परिव्यय, 02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाऐ,-आयोजनागत-110-अस्पताल तथा ओषधालय, 91-िचला योजना, 9102-पाजकीय एलीपैथिक चिकित्सालयों के भवनों का निर्माण पूर्ण किया जामा, 24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा ।

8-यह आदेश विता विभाग के अशा० सं0-1353/विता(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2006 कि गामि,

संसानक यथोक्त

(अंभी फ्रास्) विमीम भट

भवदोय,

कांन्त्रीक 4001/102-2006-2-111VXX\(1)हभा-०म्

-: जिषिरं कुई द्विकियक कप्रकाध कंप्र थानमूम कि कि छि।लीनमि पीलीतीर

- १- महालेखाकार, उत्तरांचल, माजरा देहरादून ।
- . निर्वाप्रकृत, कार्याताह, जारावास ,कार्यन्ते - S
- 3- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून ।
- ५- जिलाहिकारी, देहरादून ।
- । छनांत्रक्त मागने णीमने हंग्र भाकनी नथाभंग छल्पर्म ,कथ-बर ।नर्गाश्रीम ०
- महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराचल ।
- बजर राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय सिववालय, देहरादून ।
- । िम्छिम् ।।। प्रिम्छिम् ।।<
- 10- आयुक्त कुमीयु \गढ़वाल मण्डल, उत्तरांचल । 11- आयुक्त कुमीयु \गाढ़वाल भण्डल, उत्तरांचल ।
- । विम्रुक्सिक्य र प्राप्ति मर्ह्यात १६-।गायन्ति (णहंभनी व्यक्तिवा ।
- । छड़े।स डेगा -८१

भासा सं, (इंग्री प्रकार)

(अंतर सिंह) उप सिचव

सनादेश सं0-143 /xxv।।।-5-2006-201/2004 दिनाक 25 मार्च 2006 का संलग्नक (धनराशि रू0 लाख में)

50सं0	योजना का नाम	लागत	गतवष में अवमुक्त धनराशि	वर्ष 2005-06 में स्वीकृत धनराशि
1	2	3	4	5
1	राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय खबऊ जनपद	33.20	11.06	22.14
	देहरादून का भवन निर्माण । योग	33.20	11.06	22.14

(रू० बाईस लाख चौदह हजार मात्र)

(अतर सिंह)

उप सचिव

